

पाददलित वि. (तत्.) 1. पैरों के नीचे कुचला, रौंदा हुआ, पादाक्रांत, पददलित 2. बुरी तरह से दबाया हुआ।

पादधावन पुं. (तत्.) 1. पैरे धोने की क्रिया 2. वह बालू या मिट्टी जिसको लगाकर पैर धोया जाए।

पादनख पुं. (तत्.) पैरों की उँगलियों के नाखून।

पादनम वि. (तत्.) पैरों तक झुका हुआ।

पादना अ.क्रि. (देश.) गुदा से वायु छोड़ना, अपान वायु को छोड़ना।

पादपंकज पुं. (तत्.) चरण कमल, पादकमल।

पादप पुं. (तत्.) 1. पैर या जड़ से रस खींचने (पान करने) वाले, वृक्ष, पेड़, पौधे 2. पीढ़ा, पादपीठ।

पादपा स्त्री. (तत्.) 1. पादुका, खड़ाऊँ 2. पादत्राण, जूता (पैरों की रक्षक वस्तु या चीज)।

पादपाश पुं. (तत्.) 1. घोड़ों के पिछले पैर बाँधने की रस्सी यानी 'पिछाड़ी' 2. हाथी के पैर बाँधे जाने वाली जंजीर 3. कैदी के पैरों को जकड़ कर बाँधे जाने वाली जंजीर।

पादपूरण पुं. (तत्.) 1. किसी श्लोक या पद्य के चरण को पूरा करने की क्रिया 2. समस्यापूर्ति संज्ञक (साहित्य-रचना परक) वैदुष्य-प्रदर्शन 3. वह अक्षर या शब्द जो केवल छंदों को पूरा करने के लिए समाविष्ट किया जाए।

पादप्रक्षालन पुं. (तत्.) पैर धोने की क्रिया, पैर धोना।

पादप्रसारण पुं. (तत्.) पैरों को फैलाने या पसारने की क्रिया, पैरों का पसार या फैलाव।

पादप्रहार पुं. (तत्.) पैरों से किया गया आघात, लात या लातों की मार, ठोकर की मार।

पादबंधन पुं. (तत्.) 1. जानवरों के पैर बाँधने की रस्सी 2. जानवरों के पैर बाँधने की क्रिया।

पादबंधा पुं. (तत्.) पैरों को बाँधने की जंजीर या बेड़ी। दे. पादपाश।

पादभाग पुं. (तत्.) 1. पैर का निचला भाग 2. चतुर्थांश या चौथाई भाग।

पादमुद्रा स्त्री. (तत्.) पैर का चिह्न या दाग।

पादमूल पुं. (तत्.) 1. पैर का निचला भाग, तलवा 2. पहाड़ की तराई जहाँ से पहाड़ शुरू या ऊँचाई की ओर अग्रसर होता है 3. एड़ी 4. टखना, गुल्फ

पादरक्षक पुं. (तत्.) पैरों की रक्षा करने वाले जूते, खड़ाऊँ, चप्पल आदि 2. युद्ध में हाथी के पैरों की रक्षा करने वाले योद्धा।

पादरक्षण पुं. (तत्.) पैरों का (पैर का) आवरण; जूता, चप्पल, खड़ाऊँ आदि, पादत्राण।

पादरज्जु स्त्री. (तत्.) वह रस्सी या जंजीर (साँकल) जिससे विशेषतः हाथी के पैर बाँधे जाएँ।

पादरी पुं. (देश.) ईसाई धर्म का पुरोहित या आचार्य जो अन्य ईसाइयों को जातकर्म आदि संस्कार और उपासना कराता है।

पादलेप पुं. (तत्.) चरणों में लगाया जाने वाला लेप जैसे- आलता, महावर।

पादवंदन पुं. (तत्.) चरण छूना, चरण छूकर प्रणाम करना।

पादविक पुं. (तत्.) पैदल चलने वाला, पथिक, मुसाफिर, राहगीर।

पादशब्द पुं. (तत्.) पदचाप, पैरों की धमक या आहट।

पादशा पुं. (फा.) दे. बादशाह।

पादशाह पुं. (फा.) दे. बादशाह (सिक्ख धर्म के अनुसार ईश्वर परमपिता के लिए यह संबोधन होता है)।

पादशाही स्त्री. (फा.) 'बादशाही'।

पादशुश्रूषा स्त्री. (तत्.) 'चरण-सेवा', 'पैर दबाना'।

पाद-सेवन पुं. (तत्.) दे. पादशुश्रूषा।

पादहीन वि. (तत्.) 1. जो अपने चतुर्थ भाग से रहित हो, अथवा जो अपने पैरों से हीन हो 2. पैरों से हीन अर्थात् जिसके पैर न हो 3. जिसके तीन ही चरण हों।

पादांगद पुं. (तत्.) पैरों का आभूषण, पायल, नूपुर।

पादांगुलि स्त्री. (तत्.) पैर की उँगली।

पादांगुष्ठ पुं. (तत्.) पैर का अंगूठा।